THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

# द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, रविवार 22 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 28 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

## ब्रीफ न्यूज़

### आंध्र प्रदेश: नहर में बारातियों की कार गिरने से 4 लोगों की मौत

**पेलुरु, आरएनएन।** आंध्र प्रदेश के पेलुरु के पास शनिवार को 6 लोगों से भरी एक गाड़ी नहर में गिर गई। इस हादसे में 4 लोगों की जान चली गई। यह घटना सुबह करीब 6:10 बजे हुई, जब गाड़ी में सवार लोग तिरुपति से बापतला लौट रहे थे।गाड़ी में नवविवाहित जोड़ा श्री तेजा और कौशल्या भी सवार थे। उन्हें हल्की चोटें लगीं और अब वे राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में इलाज करा रहे हैं। पुलिस को शक है कि यह दुर्घटना ड्राइवर की थकान की वजह से हुई है और वे मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

### दुबे का दावा, मारुति की असली मालकिन सोनिया गांधी थीं



**नई दिल्ली, आरएनएन।** बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर कई आरोप लगाए। गोड्डा से सांसद ने मारुति से जुड़ी कंपनियों में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के कथित स्वामित्व, हिस्सेदारी और उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए। एक्स पर एक पोस्ट में दुबे ने कंपनी के गठन और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के साथ इसके कथित संबंधों का जिक्र किया। सोनिया गांधी को मारुति की असली मालकिन बताते हुए बीजेपी सांसद ने सवाल किया कि एक विदेशी नागरिक होने के बावजूद वह कंपनी में किसी पद पर कैसे हो सकती थीं।

### राजस्थान: पंचायत चुनाव में BJP के क्षेत्रों में कांग्रेस ने दर्ज की जीत

**जयपुर, आरएनएन।** राजस्थान में हुए ज़िला परिषद और पंचायत समिति के चुनावों के परिणाम शुक्रवार को जारी हुए हैं। 41 ज़िला परिषदों में से 37 के नतीजों में कांग्रेस ने बीजेपी को शिकस्त दी है। चार ज़िला परिषदों के चुनावों की मतगणना 17 दिसंबर को होगी। चुनावी परिणाम के बाद कांग्रेस इसे 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जनता की पसंद बता रही है। वहीं, बीजेपी ने अपनी हार स्वीकार करते हुए हार के कारणों पर मंथन करने की बात कही है। ख़ास बात यह है कि बीजेपी के दिग्गज नेताओं के क्षेत्रों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। राज्य में तीन साल से बीजेपी की सरकार होने के बाद इन नतीजों ने पार्टी को मंथन करने पर मजबूर ज़रूर कर दिया है।

# इंसान 167 साल में जो न कर सके वो एआई ने कर दिखाया

● कैलिफोर्निया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक के शोधकर्ता लेवेंट अल्पोगे ने दावा किया है कि उन्होंने कंपनी के एआई मॉडल क्लॉड की मदद से 167 साल पुरानी गणितीय समस्या रीमैन हाइपोथिसिस का प्रमाण खोज लिया है। जर्मन गणितज्ञ बर्नहार्ड रीमैन ने 1859 में यह परिकल्पना पेश की थी।

अल्पोगे के अनुसार, इस प्रमाण को तैयार करने में करीब छह सप्ताह लगे। उन्होंने इसे लीन प्रोग्रामिंग भाषा में सार्वजनिक किया है। रीमैन हाइपोथिसिस गणित की सबसे महत्वपूर्ण अनसुलझी समस्याओं में शामिल है। इसका संबंध अभाज्य संख्याओं (2, 3, 5, 7, 11 आदि) के वितरण से है। यह परिकल्पना रीमैन जीटा फंक्शन के खास शून्यों के गणितीय व्यवहार से जुड़ी है। इसके प्रमाण से अभाज्य संख्याओं के वितरण को अधिक सटीक तरीके से समझने में मदद मिल सकती है।

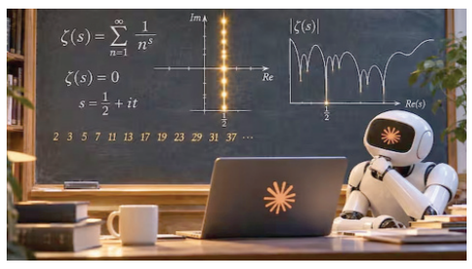


### एआई की क्षमता पर नई बहस

एमआईटी के वैज्ञानिक सदरलैंड ने इस उपलब्धि पर उत्साह जताया है। हालांकि, उन्होंने एआई की बढ़ती क्षमता का गणितज्ञों और दूसरे पेशों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता भी व्यक्त की। हार्वर्ड और बेंटले यूनिवर्सिटी से जुड़े गणित के प्रो. नोआ जियानसिराकुसा ने भी इस समाधान के सही होने की संभावना जताई है। हालांकि, फिलहाल इसे प्रमाणित समाधान नहीं माना जा सकता। स्वतंत्र विशेषज्ञों की विस्तृत समीक्षा के बाद ही इसकी वास्तविक गणितीय वैधता तय हो सकेगी।

### 10 लाख डॉलर का है पुरस्कार

रीमैन हाइपोथिसिस क्ले मैथमेटिक्स इंस्टीट्यूट की सात मिलेनियम प्राइज प्रॉब्लम्स में शामिल है। संस्थान ने वर्ष 2000 में इन समस्याओं की घोषणा की थी। इनमें से प्रत्येक का सही समाधान प्रस्तुत करने पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार निर्धारित है। नियमों के मुताबिक, समाधान को किसी प्रतिष्ठित गणितीय शोध पत्रिका में प्रकाशित होना होगा।

### कंप्यूटर पर प्रमाण की शुरुआती जांच

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक एंड्रयू सदरलैंड ने अपने कंप्यूटर पर इस प्रमाण की जांच की है। तीन अन्य गणितज्ञों ने भी अलग-अलग कंप्यूटर पर इसकी जांच की और शुरुआती परीक्षण में इसे सही पाया। हालांकि, इन जांचों के बावजूद स्वतंत्र विशेषज्ञों की व्यापक समीक्षा अभी बाकी है। लीन एक प्रूफ-असिस्टेंट सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल गणितीय तर्कों की चरणबद्ध जांच के लिए किया जाता है। इसमें प्रमाण के प्रत्येक चरण की तार्किक वैधता परखी जा सकती है। अल्पोगे ने बताया कि प्रमाण का पूरा लिखित रूप काफी लंबा है और वे खुद भी इसके सभी गणितीय पहलुओं को समझने पर काम कर रहे हैं। अल्पोगे ने यह दावा भी किया कि उनका तरीका रीमैन हाइपोथिसिस के व्यापक रूप यानी जनरलाइज्ड रीमैन हाइपोथिसिस को भी साबित करता है। हालांकि, इस दावे की भी स्वतंत्र जांच होनी बाकी है।

## अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट की सियांग बांध परियोजना का विरोध

# शाह बोले- लोगों की चिंता दूर करेंगे

### मैं सियांग के भाई-बहनों को भरोसा देना चाहता हूं, सकारात्मक बातचीत से हम आगे का रास्ता निकालेंगे

● ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट की प्रस्तावित बांध परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध जारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को सियांग घाटी के लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं का समाधान बातचीत से निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि परियोजना आगे बढ़ाते समय स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं से समझौता नहीं होगा।

अमित शाह ने प्रभावित लोगों के लिए देश के सबसे आकर्षक पुनर्वास पैकेजों में से एक देने का भी भरोसा दिया। अरुणाचल प्रदेश के बंदरदेवा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें सियांग क्षेत्र के लोगों की भावनाओं और आशंकाओं की जानकारी है। वह इन चिंताओं को सीधे सुनने और उनका समाधान करने के लिए अरुणाचल प्रदेश आए हैं। उन्होंने कहा, मैं सियांग के अपने भाई-बहनों को भरोसा देना चाहता हूं कि सकारात्मक बातचीत से हम आगे का रास्ता निकालेंगे। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा कि मीडिया के जरिए भी उन्हें लोगों की समस्याओं के बारे में पता चला है और इनमें कई मुद्दे महत्वपूर्ण हैं।



### प्रस्तावित सियांग परियोजना क्यों है अहम

प्रस्तावित सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट (एसयूएमपी) को केंद्र सरकार राष्ट्रीय महत्व की परियोजना मानती है। इससे अरुणाचल प्रदेश के विकास, बिजली उत्पादन, राज्य की आय और देश की ऊर्जा व जल सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट की योजना भी इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को बढ़ाती है। तिब्बत से भारत में प्रवेश करने वाली यही नदी सियांग कहलाती है और आगे असम में ब्रह्मपुत्र बन जाती है।

### परियोजना का विरोध क्यों

सियांग और अपर सियांग जिलों के आदिवासी समुदाय, खासकर आदि समुदाय के लोग, प्रस्तावित बांध का विरोध कर रहे हैं। उन्हें डर है कि बड़े पैमाने पर निर्माण से उनके पुश्तैनी गांव, जमीन, रोजगार, पर्यावरण और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो सकती है। सियांग घाटी भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में स्थानीय संगठनों ने बांध निर्माण से पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि परियोजना से जुड़ी शुरुआती रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में लोगों से पर्याप्त चर्चा नहीं हुई और पारदर्शिता भी नहीं बरती गई। वहीं अमित शाह ने परियोजना का विरोध कर रहे स्थानीय निवासियों और संगठनों से राज्य सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के जरिए गृह मंत्रालय के साथ भी आगे चर्चा हो सकती है। सरकार लोगों को विश्वास में लेकर आगे बढ़ना चाहती है, जिससे स्थानीय हितों की रक्षा के साथ राज्य के विकास की आकांक्षाओं को भी पूरा किया जा सके।

# रिजिजू ने कहा-1962 की बेइज्जती कभी नहीं भूलेंगे

### केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को घेरते हुए पूछा- सेना और अरुणाचल के लोगों को अकेला क्यों छोड़ा

● नई दिल्ली / आरएनएन



केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधा है। उन्होंने 1962 का जिक्र करते हुए कांग्रेस को घेरा है। रिजिजू ने पूछा कि क्या कांग्रेस 1962 में चीन के हाथों मिली हार और जमीन गंवाने के लिए माफी मांगेगी?

उन्होंने यह भी सवाल किया कि कांग्रेस के शासन में भारत गरीब क्यों बना रहा और देश को सपेरों का देश क्यों कहा जाता था? इसके अलावा रिजिजू ने पूछा कि भारत की अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार को हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहकर क्यों बदनाम किया गया? रिजिजू का बयान ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी ने चीन में अमेरिका, चीन और रूस के नेताओं की बैठक को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा। दरअसल, राहुल गांधी ने एक्स पर एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक की तस्वीर पोस्ट करते हुए निशाना साधा था। किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत 1962 की हार और अपमान को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय कांग्रेस ने सेना और अरुणाचल प्रदेश के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। रिजिजू ने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा सबक था।कांग्रेस ने अरुणाचल के लोगों को गरीब रखा और राज्य का विकास नहीं होने दिया।

# पंचायत चुनाव में हार के बाद भाजपा में मंथन: सीएम भजनलाल पहुंचे पार्टी मुख्यालय; राठौड़ बोले- कार्यकर्ताओं ने मेहनत में कमी नहीं छोड़ी

द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** प्रदेश में पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा में हार के कारणों और आगामी रणनीति को लेकर मंथन शुरू हो गया है। शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे और पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव में हार-जीत अपनी जगह है, लेकिन कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर समीक्षा करना और उन्हें संदेश देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने चुनाव में पूरी मेहनत की और कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी जनता के जनादेश को स्वीकार करती है।

### सीएम आवास पर भी हुई बैठक

पार्टी मुख्यालय पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के बीच बैठक हुई। इसमें पंचायत चुनाव के परिणामों और पार्टी के प्रदर्शन को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद मुख्यालय में भी संगठनात्मक स्तर पर मंथन हुआ।



मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि चुनाव परिणाम जनता का जनादेश हैं और भाजपा इसे स्वीकार करती है। लोकतंत्र में जनादेश को स्वीकार करना ही स्पोर्ट्समैन स्पिरिट है।

उन्होंने कहा कि पुराने और नए सभी कार्यकर्ताओं को यह संदेश देना जरूरी है कि उनके परिश्रम का महत्व है। चुनाव परिणाम चाहे जो रहे हों, कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखना संगठन की प्राथमिकता है।

### दो-तीन चरणों में होगी समीक्षा

राठौड़ ने कहा कि पूरे राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन के तहत चुनाव कई चरणों में हुए हैं। ऐसे में सभी क्षेत्रों के परिणामों और परिस्थितियों का आकलन भी चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। एक बैठक में पूरे प्रदेश के चुनाव परिणामों की विस्तृत समीक्षा संभव नहीं है। इसके लिए दो-तीन चरणों में बैठकें होंगी।

समीक्षा के दौरान क्षेत्रवार प्रदर्शन, स्थानीय परिस्थितियों और संगठन की भूमिका पर चर्चा की जाएगी। साथ ही यह भी विचार होगा कि आगे किस तरीके से काम करना है और चुनावी रणनीति में किन बदलावों की जरूरत है।

### हार के बाद संगठन की सक्रियता बढ़ी

पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा नेतृत्व का जोर एक ओर परिणामों के आकलन पर है, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के मनोबल और संगठनात्मक समन्वय को बनाए रखने पर भी है।

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री की बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में हुई चर्चा को इसी कवायद का हिस्सा माना जा रहा है। अब आगामी बैठकों में चुनाव परिणामों की विस्तृत समीक्षा के बाद संगठन की आगे की रणनीति तय होगी।

## गहलोत बोले- हाईकमान फैसला करे तो मुख्यमंत्री बन जाऊंगा

# मैं हिप्पोक्रेट नहीं हूं, चौथी बार गहलोत सरकार का नारा कुछ लोगों को अच्छा नहीं लगता

द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- मैं दिल से कहता हूं कि मैं संतुष्ट हूं। इसके बाद में भी ऐसा लगे कि पार्टी हित में मुझे ही मुख्यमंत्री बनना जरूरी है तो पार्टी हाईकमान मेरे पक्ष में फैसला कर दे, मैं हिप्पोक्रेट भी नहीं हूं, बन जाएंगे मुख्यमंत्री।

ऐसा नहीं है कि मुख्यमंत्री बार-बार मुझे ही बनना है। हाई कमान तय करेगा कि पार्टी हित में क्या है, पब्लिक क्या चाहती है उस वक्त देखेंगे। गहलोत ने शनिवार को जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कही।

गहलोत ने कहा- जो लोग चौथी बार गहलोत सरकार के नारे लगाते हैं, उनको मैं समझाता हूं और दिल से समझाता हूं कि यह मत बोलो। कुछ लोगों को अच्छा नहीं लगता है और अच्छा नहीं लगना वाजिब भी है।

गहलोत ने कहा कि जब लोग चौथी बार गहलोत सरकार के नारे लगाते हैं तो मुझे कहना पड़ता है कि भैया यह नारा बंद करो और मैं दिल से कहता हूं। हालांकि, राजनीति में इन बातों का कोई विश्वास नहीं करता कि दिल से कहते हैं कि ऊपर से कहते हैं, वह अलग बात है।



गहलोत ने कहा- फिर मैं कहता हूं हाई कमान के ऊपर है वह क्या फैसला करे, कई बार स्थिति बदल जाती है। मैं चाहता हूं राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बने, फैसला हाईकमान को करना है। मैं पद पर रहूं या नहीं रहूं, मेरी स्पिरिट में कोई कमी नहीं रहेगी।

### मैंने कभी लॉबिंग नहीं करवाई, कोई पद नहीं मांगा

नई जिम्मेदारी मिलने के सवाल पर गहलोत ने कहा- मैंने अब तक कभी कोई पद नहीं मांगा। मैंने कभी लॉबिंग नहीं करवाई। मुझे हटाने की मांग लेकर मेरे खिलाफ कोई दिल्ली चला भी गया तो उसे काउंटर भी नहीं करवाया। मैं मेरा काम करता रहा।

### मेरा इस्तीफा सोनिया गांधी के पास परमानेंट पड़ा रहता था

गहलोत ने कहा- उस वक्त मैंने कहा था कि मेरा इस्तीफा तो सोनिया गांधी के पास परमानेंट पड़ा हुआ है। जब मैं मुख्यमंत्री था तो बराबर बात कर रखी थी। मैंने अपने तरीके से राजनीति की है, मैं संतुष्ट हूं, अब आगे क्या होगा, मैं तो संतुष्ट हूं।

### राजस्थान में लोग आज भी मेरी स्कीम्स को याद कर रहे

गहलोत ने कहा- राजनीति में पहले ही ऐसे नारे लगने लग जाएं, पिछली कांग्रेस सरकार की परफॉर्मेंस से राजस्थान में ऐसा माहौल बन गया। हमारे वक्त स्वास्थ्य, सोशल सिक्योरिटी की एक से बढ़कर एक योजना थी। डोटासरा शिक्षा मंत्री थे तो अंग्रेजी स्कूल खोले।

## नई सफलता

8 किमी दूर तक भेद सकती है लक्ष्य, एक वाहन पर 12 मिसाइलें तैनात करने की क्षमता, एक ही लक्ष्य पर डबल अटैक

# पोखरण में गाइडेड मिसाइल बघीरा एटी-1 ने दिखाई ताकत

● पोखरण

### अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने किया परीक्षण

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपने वाहन पर तैनात एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली बघीरा एटी-1 का प्रदर्शन किया। 20 नवंबर को हुए इस परीक्षण में चार मिसाइलें दागी गईं। प्रदर्शन के दौरान दिन और रात दोनों परिस्थितियों में लक्ष्य को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना, सैन्य मामलों के विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी इस दौरान मौजूद रहे।

कंपनी के अनुसार, इस प्रणाली को 18 महीने के डिजाइन और विकास के बाद तैयार किया गया है। इसमें मिसाइल, स्वचालित लॉन्चर, दिन और रात में लक्ष्य पहचानने वाले उपकरण तथा कंपनी का विकसित 4एक्स4 हाई मोबिलिटी बख्तरबंद वाहन शामिल है।




### 8 किलोमीटर तक मारक क्षमता

**बघीरा** एटी-1 की प्रमुख विशेषता इसकी 8 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने की क्षमता है। कंपनी का दावा है कि यह जमीन से दागी जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइलों की लगभग चार किलोमीटर की प्रभावी मारक दूरी से दोगुनी है। इसकी मिसाइल रेडियो लिंक के बजाय लेजर बीम आधारित मार्गदर्शन प्रणाली से लक्ष्य तक पहुंचती है। कंपनी के मुताबिक, इससे इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग का प्रभाव कम करने में मदद मिलती है।

### एक लक्ष्य पर दो मिसाइलें दागने की क्षमता

**इस** प्रणाली में एक ही लक्ष्य पर तेजी से दो मिसाइलें दागने की सुविधा है। कंपनी के अनुसार, पहली मिसाइल टैंक के सक्रिय सुरक्षा तंत्र (एपीएस) को निशाना बनाती है, जबकि दूसरी उसके सुरक्षा कवच को भेदने के लिए बनाई गई है। प्रणाली में स्वचालित लक्ष्य ट्रैकिंग के साथ दिन के समय के लिए टेलीविजन और रात में लक्ष्य पहचानने के लिए थर्मल इमेजिंग उपकरण भी दिए गए हैं। एक वाहन पर कुल 12 मिसाइलें ले जाने की क्षमता है। इनमें चार मिसाइलें लॉन्चर पर तैनात रहती हैं, जबकि आठ अतिरिक्त मिसाइलें वाहन में रखी जा सकती हैं। कंपनी के अनुसार, वाहन की गतिशीलता के कारण चालक दल मिसाइल दागने के बाद तेजी से अपना स्थान बदल सकता है।

### सेना के मौजूदा मिसाइल भंडार में होंगी शामिल

**भारतीय** सेना के पास फिलहाल दूसरी पीढ़ी की मिलान-2टी और कॉन्कर्स-एम एंटी-टैंक मिसाइलें हैं। तत्काल परिचालन जरूरतों के लिए स्पाइक मिसाइलें भी शामिल की गई हैं। भारत जेवलिन प्रणाली की खरीद की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसमें निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही, जो करीब 42 हजार करोड़ रुपये है। इसी अवधि में देश का रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

# चचेरे-ममेरे भाई-बहन की शादी पर लगेगी रोक...

### सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस, करीबी रिश्तों में शादी पर मांगा जवाब

● नई दिल्ली / आरएनएन



करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह और उससे पैदा होने वाले बच्चों की सेहत पर पडने वाले संभावित असर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि ऐसे विवाहों से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। हालांकि, शादी किससे करनी है, यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इस पर सीधे रोक लगाने का अधिकार अदालत के पास नहीं है। इस संबंध में कानून बनाने का अधिकार विधायिका के क्षेत्र में आता है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने केंद्र को नोटिस जारी कर करीबी रक्त संबंधियों के बीच विवाह के संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर उचित कानून बनाने या स्कूल-कॉलेज के पाठ्यक्रम सहित अन्य माध्यमों से जागरूकता फैलाने की संभावना पर विचार करने को कहा।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
# जयपुर अपडेट
गुलाबी शहर की हर खबर
| Digital Edition |
RJHIN/25/A4779
रविवार, 22 नवंबर, 2026

## 1.12 करोड़ रुपये खर्च कर ब्यूटीफिकेशन भी किया जाएगा: खासा कोठी और हसनपुरा पुलिया के नीचे वाहनों की पार्किंग बनेगी



द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** रेलवे स्टेशन के आसपास पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए जेडीए खासाकोठी और हसनपुरा पुलियाओं के नीचे नया पार्किंग स्पेस तैयार करेगा। दोनों पुलिया के नीचे भी खाली जगह है और बेतरतीब तरीके से अवैध पार्किंग हो रही है। ऐसे में रेलवे जंक्शन आने वाले वाहनों को पार्किंग की समस्या से जूझना पड़ता है। जेडीए ने 1.12 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार किया है और अगले छह महीने में दोनों पुलियाओं के नीचे ब्यूटीफिकेशन का भी काम शुरू होगा। दोनों जगह 6 महीने में पार्किंग स्पेस तैयार हो जाएगा।

### खासाकोठी: 120 कार, 100 दुपहिया पार्क हो सकेंगे

जेडीए ने शहर में पार्किंग समस्या से निजात दिलाने के लिए पुलियाओं के नीचे पार्किंग बनाना शुरू किया है। पहले फेज में सांगानेर थाना और गोपालपुरा पुलिया के नीचे पार्किंग बनेगी। दूसरे फेज में खासाकोठी और हसनपुरा पुलिया को लिया है। खासाकोठी पुलिया के नीचे 120 कार और 100 दुपहिया वाहनों की पार्किंग हो सकेगी। दोनों प्रोजेक्ट के लिए जेडीए ने टेंडर जारी कर दिया है।

### हसनपुरा: थर्ड एंट्री की तरफ बनेगी, 40 वाहन खड़े होंगे

हसनपुरा पुलिया के नीचे जेडीए थड़ी एंट्री की तरफ पार्किंग बनाएगा। 30 से 40 चौपहिया और इससे राजपूताना होटल की तरफ आने वाले वाहनों को सीधा फायदा मिलेगा। वर्तमान में यहां पुलिया के नीचे अवैध पार्किंग बनी हुई है।

पोस्टिंग का पावर गेम, जयपुर डिस्कॉम के गलियारों में हलचल

## कुर्सी खाली होने से पहले दावेदार सक्रिय, SE नॉर्थ से चीफ इंजीनियर तक लॉबिंग तेज




द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** जयपुर डिस्कॉम में अहम पदों पर नियुक्तियों को लेकर लॉबिंग तेज हो गई है। जयपुर शहर के नॉर्थ सर्किल में एसई की स्थायी नियुक्ति और अगले साल फरवरी में मुख्य अभियंता (सीई) आरके जीनवाल के रिटायरमेंट पर खाली होने वाले पद के लिए दावेदार सक्रिय हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर सिफारिशें कराई जा रही हैं।

फिलहाल नॉर्थ सर्किल की जिम्मेदारी एक्सईएन डीके पुंडीर संभाल रहे हैं। इसी बीच अभियंताओं को एपीओ करने और कुछ समय बाद दोबारा फील्ड पोस्टिंग देने की प्रैक्टिस भी सवालों के घेरे में है।

### एपीओ के बाद फिर फील्ड पोस्टिंग

हाल में दिनेश कुमार राजोरिया को नदबई, शिव सिंह मीणा को जोबनेर और सुमित कुमार को खेजरोली में पदस्थापन मिला। अंकित बलौदा को एपीओ के बाद एसई (एमआईएस) में नियुक्त किया गया। इस साल करीब 15 इंजीनियर एपीओ हुए हैं। ऐसे में एपीओ के बाद नियुक्तियों में समान मापदंड अपनाने पर सवाल उठ रहे हैं।

### भरतपुर एसई एपीओ, दूसरे को जिम्मेदारी दी

भरतपुर एसई अनिल टोड़वाल को प्रशासनिक कारणों से एपीओ कर जयपुर जोन के सीई कार्यालय में लगाया गया है। ऊर्जा सचिव आरती डोगरा की मंजूरी से एक्सईएन (एमएंडपी) युवराज असवाल को भरतपुर ओएंडएम का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया। टोड़वाल का 10 जुलाई को जयपुर साउथ से भरतपुर तबादला हुआ था। कुछ महीनों में एपीओ होने से कार्रवाई के कारणों पर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, हाईकमान का निर्देश नहीं मानना इसकी वजह बताया जा रहा है।

## निकायों की तरह क्रमवार मतपत्र नहीं: बगावत किसने की? दल नहीं लगा पाएंगे पता; इस बार रेंडम मतपत्र से होगी वोटिंग

द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** राजस्थान में जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान और उप प्रधान के चुनाव में क्रॉस वोटिंग पकड़ना राजनीतिक दलों के लिए आसान नहीं होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने इन चुनावों में क्रमवार की जगह रेंडम आधार पर मतपत्र देने का फैसला किया है। इससे किसी मतपत्र को किसी खास सदस्य से जोड़कर उसकी वोटिंग का पता नहीं लगाया जा सकेगा। निकाय चुनाव में क्रमवार मतपत्र मिलने से क्रॉस वोटिंग करने वाले सदस्य की पहचान का अंदाजा लगाया जा सकता था। इस बार यह व्यवस्था नहीं रहेगी। वहीं, जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में हाइब्रिड मॉडल भी लागू नहीं होगा। यानी केवल निर्वाचित सदस्य ही अध्यक्षीय पदों का चुनाव लड़ सकेंगे।

आयोग कलेक्टरों को इस संबंध में गाइडलाइन जारी कर रहा है। प्रदेशभर में राजनीतिक दलों की बाड़ेबंदी के बीच यह व्यवस्था क्रॉस वोटिंग




करने वाले सदस्यों को सुरक्षा देगी। 25 नवंबर को जिला प्रमुखों और 27 नवंबर को प्रधानों की वोटिंग होगी। निकाय चुनाव में ऐसे खुलती थी पोल: हाल ही में हुए निकाय चुनाव में नगरपालिका चेयरमैन के मतदान के दौरान सदस्यों को क्रमवार मतपत्र दिए गए थे। हर सदस्य को निश्चित क्रम में मतपत्र मिलने से मतगणना के दौरान मतपत्र पर लगी मुहर के आधार पर राजनीतिक दल और बाड़ेबंदी करने वाले नेता क्रॉस वोटिंग करने वाले सदस्य का अंदाजा लगा लेते थे।

### मतपत्र का कोई क्रम किसी सदस्य से जुड़ा नहीं रहेगा

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिला प्रमुख और प्रधान चुनाव में रेंडम आधार पर मतपत्र दिए जाएंगे। मतदान से पहले रिटर्निंग अधिकारी सभी मतपत्रों के पीछे हस्ताक्षर और मुहर लगाकर उन्हें मोड़कर एक पात्र में रखेंगे। मतदान अधिकारी पात्र से बिना खोले रेंडम आधार पर एक-एक मतपत्र निकालकर सदस्यों को देंगे। इससे मतपत्र का कोई क्रम किसी सदस्य से जुड़ा नहीं रहेगा और क्रॉस वोटिंग करने वाले सदस्य की पहचान नहीं हो सकेगी। बिल्कुल, क्रमवार की जगह रेंडम मतपत्रों के आधार पर जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान और उप प्रधान के चुनाव होंगे। हाइब्रिड मॉडल भी लागू नहीं होगा। इस संबंध में कलेक्टरों को गाइडलाइन भेजी जा रही है।'

**-राजेश वर्मा, सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग**

## 78 साल पहले की चर्चित शादी: दुल्हन राजस्थानी, दूल्हा गुजराती, फ्रांस से आया मशहूर फोटोग्राफर... गिनीज रिकॉर्ड में दर्ज थी 1948 की सबसे महंगी शादी

द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** 27 मई 1948 को जयपुर के महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय की बेटी राजकुमारी प्रेम कुमारी का विवाह गुजरात की बारिया रियासत के महाराजा कर्नल युवराज जयदीप सिंह से हुआ। इसके लिए फ्रांस से मशहूर फोटोग्राफर हेनरी कार्टियर-ब्रेसों जयपुर आए थे। उन्होंने ही इस शादी की तस्वीरें ली थीं। इतिहासकार प्रोफेसर आर एस खंगारोत ने बताया कि हेनरी-ब्रेसों ने इन्हीं तस्वीरों पर ब्यूटीफुल जयपुर नामक पुस्तक प्रकाशित की थी। यह विवाह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे महंगी शादी के रूप में दर्ज हुआ। अपने भव्य आयोजन के कारण ये शादी खासी चर्चा में रही थी। अपनी भव्यता के कारण 78 साल पहले हुई ये शादी आज भी लोगों की स्मृति है। राजस्थान हमेशा से अपने वैवाहिक आयोजनों के लिए जाना जाता रहा हैं और अब तो प्रदेश, देश के सबसे पसंदीदा वेडिंग डेस्टिनेशन में से एक है। वेडिंगसूत्रा के 2026 का लग्जरी वेडिंग सर्वे भी इसकी पुष्टि करता है। यहां हर साल नवंबर से फरवरी के बीच बड़ी डेस्टिनेशनल वेडिंग होती हैं। ऑल वेडिंग इंडस्ट्री फेडरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर-दिसंबर 2023 में राजस्थान में लगभग 3 लाख शादियां हुई। इनसे करीब 6,600 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। इस दौरान अकेले जयपुर में 12 से 13 हजार शादियां आयोजित की



गईं। बजट की बात करें तो 20 से 23% शादियां 10 से 50 लाख रुपए के बजट में होती हैं।

### होटल रेट में गोवा-आगरा से आगे जयपुर

होरवाथ एचटीएल की 2025 होटल मार्केट रिपोर्ट के मुताबिक, जयपुर के लग्जरी व अपर-अपस्केल होटलों का रूम टैरिफ 16,000 रु रहा। उदयपुर 25,700, आगरा 15,000 और गोवा 15,800 रुपए रहा यानी उदयपुर का होटल बाजार महंगा है, लेकिन जयपुर आगरा और गोवा से आगे है।

### जयपुर में औसत वेडिंग बजट 73 लाख

वेडमीगुड की 2025 की रिपोर्ट की मानें तो बड़े शहरों में जयपुर में शादी का औसत बजट 73 लाख रुपए है। ये दिल्ली से करीब 92% अधिक है। देश में औसत शादी का बजट 39.5 लाख रु व डेस्टिनेशन वेडिंग का 58 लाख रु है। राजस्थान में कई तरह के वेडिंग अनुभव जैसे- जयपुर में महल और हेरिटेज होटल, उदयपुर में झीलों के बीच पैलेस, जोधपुर में किले और जैसलमेर में रेगिस्तान का अनुभव मिलता है।

### शादी का बजट 3 करोड़ रुपए से भी आगे

93 करोड़ से ज्यादा खर्च वाली शादियां अल्ट्रा-लग्जरी श्रेणी में। इनकी संख्या देश में 30 से 40 हजार। (सेबी में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में शामिल भारतीय वेडिंग मार्केट का आंकलन)

1 करोड़ रुपये से ज्यादा बजट वाली 60% से अधिक शादियां डेस्टिनेशन वेडिंग होती हैं यानी बड़े बजट की शादियों में लोकेशन की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

शहर में निगम-जेडीए के 1450 गार्डन, 100 का रियलिटी चेक

## बोरिंग वॉक-वे; ट्रैक चलने लायक भी नहीं, बीच ट्रैक कहीं ट्यूबवेल के पाइप, कहीं ठूंठ



द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** शहर के गार्डनों में सेहत बनाने के लिए बनाए गए वॉक-वे ही कई जगह हादसे का खतरा बन गए हैं। कहीं ट्रैक के बीच बोरिंग हेड खड़े हैं तो कहीं खराब हो चुके बोरिंग के नुकीले पाइप जमीन से बाहर निकले हैं। कुछ जगह कटे पेड़ों के भारी ठूंठ भी वॉक-वे के बीच छोड़ दिए गए हैं। सुबह-शाम कम रोशनी में ये बाधाएं खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए खतरनाक हैं।

स्थिति यह है कि समतल और सुरक्षित चलने के लिए बनाए गए ट्रैक के बीच कहीं डेढ़ से दो फीट ऊंचे पाइप निकले हैं तो कहीं जंग लगे बोरिंग हेड खड़े हैं। इनके आसपास टाइल्स भी टूटी मिलीं। सुबह अंधेरे या शाम को कम रोशनी में जरा-सी चूक से ठोकर लग सकती है। बुजुर्गों के लिए गिरने पर फ्रैक्चर या सिर में गंभीर चोट का खतरा और ज्यादा है।

### सेहत की राह में सरकारी रोड़े

प्रतापनगर के एक गार्डन में वॉक-वे के बीच करीब डेढ़ फीट ऊंचा पाइप निकला हुआ है। बोरिंग खराब होने के बाद भी इसे अब तक हटाया नहीं गया है।

### हल्दीघाटी > बीच ट्रैक में बोरिंग हेड

हल्दीघाटी मार्ग के गार्डन में वॉक-वे के बीच जंग लगा बोरिंग हेड है। टाइल्स भी उखड़ी हुई हैं। दौड़ते या तेज चलते समय यह बाधा अचानक सामने आती है।

### गार्डन 31-195 > ट्रैक में पेड़ का ठूंठ

यहां वॉक-वे के बीच सूखे पेड़ का भारी ठूंठ है। पेड़ काट दिया गया, लेकिन ठूंठ नहीं हटाया। इसकी जड़ों के आसपास सीमेंट भी लगा है इससे हादसे का खतरा है।

### शिकायत ही नहीं मिली, परेशानी है तो ठीक करेंगे

निगम के क्षेत्राधिकार में करीब 1250 गार्डन हैं। जहां ट्रैक पर इस तरह की परेशानी है, वहां संभव है कि बोरिंग पहले खुदा हो या ट्रैक बाद में बना हो। शिकायत नहीं मिली है। लेकिन जहां परेशानी होगी, उसका निदान किया जाएगा।

**-रवींद्र सिंह, उद्यानविद, नगर निगम**

### पशुपतिनाथ गार्डन; ट्रैक के बीच 2 फीट ऊंची लाइन

एयरपोर्ट के पास पशुपतिनाथ गार्डन में वॉक-वे के बीच बोरिंग है। इससे करीब दो फीट ऊंची लोहे की डिलीवरी लाइन जुड़ी है। दौड़ते समय या ध्यान भटकने पर हादसा हो सकता है।

## विभागीय जांच में वनपाल, और तत्कालीन आरएफओ गैरजिम्मेदार: 3 अफसरों की चूक से भटका खोले के हनुमानजी रोपवे प्रोजेक्ट; जीपीएस बिना सीमांकन, फिर गलत सत्यापन

द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** खोले के हनुमानजी मंदिर के रोपवे निर्माण में वन विभाग के तीन स्तरों पर लापरवाही सामने आई है। विभागीय जांच में सामने आया कि तत्कालीन वनपाल शरवण सिंह ने स्वीकृत जीपीएस को-ऑर्डिनेट के बिना वन भूमि का सीमांकन कर दिया। इसके दो साल बाद 2023 में प्रभारी वनपाल शंकरलाल मीणा ने दोबारा भौतिक सत्यापन के दौरान भी जीपीएस को-ऑर्डिनेट का मिलान नहीं किया और पहले की गलत मार्किंग की पुष्टि कर दी। वहीं, तत्कालीन रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर जनेश्वर सिंह ने न तो सीमांकन रिपोर्ट की तकनीकी जांच की और ना ही मौका सत्यापन किया। जांच अधिकारी ने तीनों को अलग-अलग स्तर पर हुई चूक के लिए जिम्मेदार माना है। इन्हीं लापरवाहियों के कारण स्वीकृत वन भूमि और वास्तविक निर्माण स्थल के बीच अंतर समय रहते पकड़ में नहीं आया। बाद में सर्वे में रोपवे का लोअर स्टेशन, अपर स्टेशन और कॉरिडोर स्वीकृत भूमि के बजाय दूसरी आरक्षित वन भूमि पर बना मिला।

### वर्ष 2019 में मिली थी 0.8735 हेक्टेयर वन भूमि की मंजूरी 6 वन अधिकारियों के बयान लिए, कंपनी ने भी पक्ष रखा

केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 17 जून 2019 को परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। 29 नवंबर 2019 को 0.8735 हेक्टेयर वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग की अंतिम स्वीकृति दी गई। यह भूमि अन्नपूर्णा मंदिर से वैष्णो देवी मंदिर तक रोपवे के लिए दी गई थी।

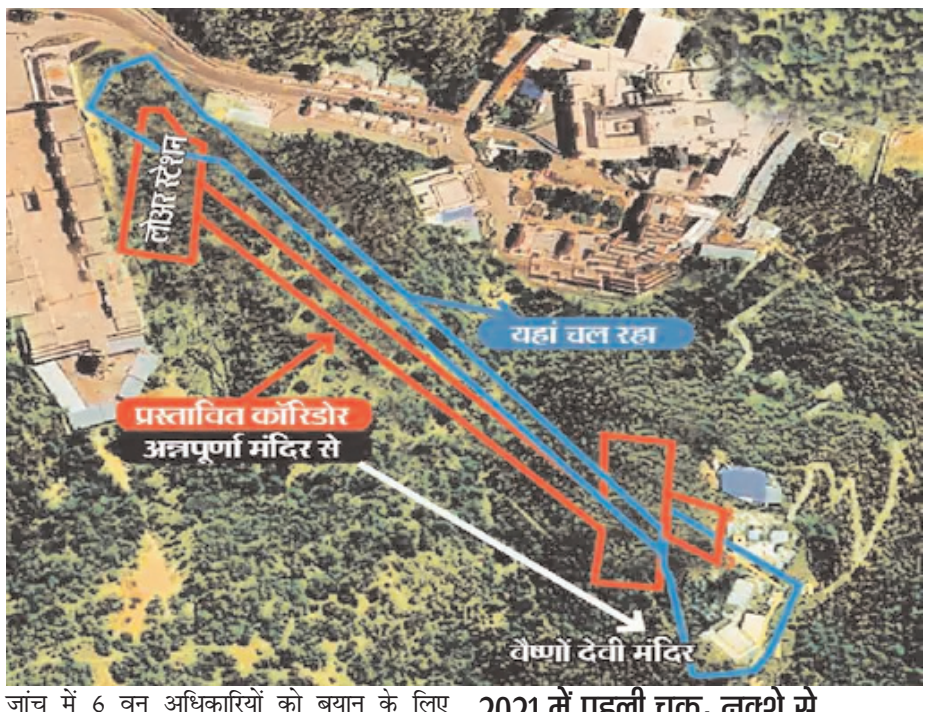


जांच में 6 वन अधिकारियों को बयान के लिए बुलाया गया। 17 सितंबर 2026 को तत्कालीन एसीएफ जगदीश चंद्र गुप्ता, रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर जनेश्वर सिंह और प्रभारी वनपाल शंकरलाल मीणा के बयान दर्ज किए गए। 23 सितंबर को तत्कालीन डीसीएफ उपकर बोराणा, एसीएफ रघुवीर मीणा और डीसीएफ वी. केतन कुमार को बयान के लिए बुलाया गया। रोपवे निर्माण कंपनी आरओके इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को भी पक्ष रखने बुलाया। कंपनी से कैलाश खंडेलवाल उपस्थित हुए।

### 2021 में पहली चूक; नक्शे से सीमांकन कर रिकॉर्ड नहीं बनाया

21 जनवरी 2021 को तत्कालीन डीसीएफ ने आरएफओ को निर्माण एजेंसी की मौजूदगी में स्वीकृत 0.8735 हेक्टेयर वन भूमि का सीमांकन कराने के निर्देश दिए। 1 फरवरी को तत्कालीन वनपाल शरवण सिंह ने एजेंसी के साथ जमीन की मार्किंग की, लेकिन स्वीकृत प्रस्ताव के जीपीएस को-ऑर्डिनेट दर्ज नहीं किए। विभागीय जांच में शरवण सिंह को इस चूक के लिए जिम्मेदार माना गया। उन्हें स्वीकृत नक्शे और जीपीएस को-ऑर्डिनेट के आधार पर प्रत्येक बिंदु का सीमांकन कर उसका रिकॉर्ड तैयार करना चाहिए था।

### तीसरी चूक; आरएफओ ने न रिपोर्ट जांची, ना ही मौके पर सत्यापन किया

तत्कालीन रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर जनेश्वर सिंह ने 2021 की सीमांकन रिपोर्ट की पर्याप्त जांच नहीं की। वे मौके पर जाकर जीपीएस के आधार पर की गई मार्किंग का सत्यापन भी नहीं कर पाए। इसके बाद 2023 में हुए दोबारा भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट की भी पर्याप्त जांच नहीं की गई। जांच अधिकारी ने इसे निगरानी के स्तर पर लापरवाही माना। आरएफओ को सीमांकन की तकनीकी जांच के साथ निर्माण स्थल का मौके पर सत्यापन करना चाहिए था, ताकि स्वीकृत सीमा से बाहर निर्माण होने पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

### 2023 में दूसरी चूक; दूसरी बार सत्यापन, फिर नक्शा नहीं मिलाए

12 जुलाई 2023 को तत्कालीन प्रभारी वनपाल शंकरलाल मीणा ने निर्माण स्थल का दोबारा भौतिक सत्यापन किया। जांच में सामने आया कि उन्होंने भी स्वीकृत जीपीएस को-ऑर्डिनेट से जमीन का मिलान नहीं किया और पहले की गलत मार्किंग के आधार पर सत्यापन की पुष्टि कर दी। जांच में माना कि उन्हें लोअर स्टेशन, अपर स्टेशन और रोपवे कॉरिडोर के नक्शे व जीपीएस को-ऑर्डिनेट के अनुसार मिलान करना था। गड़बड़ी मिलने पर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को देनी थी।

## मणिपुर में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

- 600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, इस साल 6 राज्यों में 120 की जा चुकी है जान

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि शराब कहां से लाई गई थी, इसकी सही जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोग जान गवां चुके हैं। पुलिस के मुताबिक प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।

## मेटा कार्यालयों पर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन : तोड़फोड़, हंगामा और एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) के कार्यालयों के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खातों को 19 नवंबर को निलंबित करने के विरोध में था। यूथ कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर हुई थी। संगठन ने सात दिनों के भीतर खातों को बहाल करने की मांग की थी, अन्यथा देशभर में प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर घुस गए, जहां तोड़फोड़ कर एक गमला को तोड़ दिया गया। पुलिस ने तेलंगाना यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में 20-21 कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया, हालांकि करीब तीन घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मुंबई में, कार्यकर्ताओं ने बिल्डिंग के शीशे पर आरएसएस का बेटा मेटा का नारा लिखा, जिससे शीशे को नुकसान पहुंचा। यहीं प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय आईटी और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का पोस्टर भी जलाया। मुंबई पुलिस ने मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीना सबरीन सहित चार लोगों और 15-20 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1995 की धारा 3 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं के मेटा कार्यालयों पर पहुंचने के 15 मिनट के भीतर निलंबित खाते बहाल किए गए। संगठन ने सवाल उठाया कि ये खाते किसके आदेश पर निलंबित किए गए थे और क्या भारतीयों को अपनी आवाज उठाने के लिए हमेशा मेटा कार्यालयों का रुख करना होगा।

## सांसद अमृतपाल दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने पैतृक गांव पहुंचे

अमृतसर , एजेंसी। पंजाब के खडूर साहिब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह शनिवार को अमृतसर स्थित अपने पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा पहुंचे हैं। वे अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आए हैं। पुलिस उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी में अमृतसर एयरपोर्ट से लाई और पिछले रास्ते से निकाला। अमृतसर कोर्ट से अमृतपाल को शनिवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक, कुल तीन घंटे की कस्टडी पैरोल मिली है। इस दौरान उन्हें हथकड़ी नहीं लगाई गई। अमृतपाल की दादी का निधन 8 नवंबर को हुआ था, लेकिन परिवार ने उनके आने तक अंतिम संस्कार रोक रखा था।

# भाजपा की प्रदेश प्रवासी बैठक में रंजीता कोली को मिली आगरा कैंट विधानसभा की जिम्मेदारी

### उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत के लिए संभालेंगी मोर्चा

द अनकवर्ड अपडेट





**भरतपुर।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत 20 नवंबर 2026 को लखनऊ में आयोजित प्रदेश प्रवासी बैठक में निवर्तमान सांसद भरतपुर रंजीता कोली ने सहभागिता की। इस महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी संगठन द्वारा उन्हें उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद की आगरा कैंट विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, प्रदेश सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र सहित आठ राज्यों से आई 403 महिला विस्तारक बहनों को उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर संगठनात्मक एवं जनसंपर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर रंजीता कोली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मातृशक्ति पर जो विश्वास जताया है, वह महिला सशक्तिकरण और संगठन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रमाण है। पार्टी द्वारा दी गई आगरा कैंट विधानसभा की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, गरीबों और समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें भाजपा की विचारधारा और विकास की नीतियों से जोड़ेंगे। कोली ने कहा कि भाजपा की महिला शक्ति पूरी ऊर्जा और संगठनात्मक एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी। हमारी बहनें घर-घर पहुंचेंगी, बूथ-बूथ पर संगठन को मजबूत करेंगी और जनता के बीच जाकर विपक्ष के झूठे दावों एवं नकारात्मक राजनीति का जवाब देंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश में इस बार भाजपा पहले से भी अधिक सीटों के साथ ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि इस बार विपक्ष की साइकिल की हवा निकालकर उसे पूरी तरह पंचर कर देंगे। भाजपा की विकास एक्सप्रेस के सामने विपक्ष की राजनीति टिक नहीं पाएगी। अंत में उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है, उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण से निभाते हुए भाजपा की विजय में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगी।

## देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा: धीरेंद्र शास्त्री

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

**प्रतापगढ़, एजेंसी।** कथा वायक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुंडा में चल रही राम कथा के समापन के अवसर पर हिंदू एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा। इस दौरान शास्त्री ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। शास्त्री ने कहा कि देखिए, यह इस देश और हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि एक हिंदू दूसरे हिंदू का ही विरोध करता है, क्योंकि हिंदू काफी दब्बू होते हैं और पलटकर जवाब नहीं देते लेकिन कुंडा से हिंदुओं ने पलटकर जवाब देना सीख लिया है कि अब अगर आप हमें उकसाएंगे, तो बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तय है, अयोध्या तो झांकी थी, मथुरा काशी बाकी है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा। जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटने के बजाय एकता को ही सबसे बड़ी ताकत बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से भी धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। हिंदू एकता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग हिंदू एकता से डरते हैं। वे सनातन एकता से डरते हैं। कुछ लोग अपनी जाति-आधारित राजनीति साधना चाहते हैं, इसलिए उनके मन में कहीं न कहीं कुंठा भरी होती है और जो कुंठित रहता है, वह बैकुंठ नहीं पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को बांटकर राजनीति करते हैं, वे अंत में खुद ही कमजोर हो जाते हैं। एकता ही सनातन की असली पहचान है। अखिलेश यादव से जुड़े सवाल पर शास्त्री ने कहा कि हम सभी दलों के हैं, एक गुरु सबका होता है क्योंकि अगर कोई गुरु सिर्फ एक व्यक्ति का हो जाए, तो वह फिर गुरु नहीं रहता। सूरज सबका होता है और उसी तरह एक गुरु भी सबका होता है। अभी हम पंजाब में एक कथा करने जा रहे हैं।

## विदेशी नागरिक होने के बावजूद मारुति कंपनी में 50 फीसदी की थी हिस्सेदार

### बीजेपी सांसद ने मारुति परियोजना को लेकर सोनिया गांधी पर उठाए सवाल



**नई दिल्ली , एजेंसी ।** बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मारुति परियोजना को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर सवाल उठाए। अपनी सोशल मीडिया सीरीज कांग्रेस का काला अध्याय की 250वीं कड़ी में उन्होंने दावा किया कि विदेशी नागरिक होने के बावजूद सोनिया गांधी 1970 के दशक में मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एमटीएस) की निदेशक और 50 फीसदी हिस्सेदार थीं। दुबे ने आरोप लगाया कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी की सरकार ने गांधी परिवार से जुड़ी कंपनी को कई तरह की सरकारी सुविधाएं दीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने दावा किया कि 21 नवंबर 1970 को संजय गांधी ने मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि कंपनी को 1968 में ही कार बनाने की अनुमति कैसे मिल गई, जबकि एमटीएस का गठन नवंबर 1970 में हुआ था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 1969 में इंदिरा गांधी की कैबिनेट ने संजय गांधी की कार परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विशेष आदेश जारी किया था।

दुबे ने हरियाणा में मारुति परियोजना के लिए जमीन आवंटन पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि उस समय के नियमों के तहत किसी विदेशी नागरिक के नाम पर जमीन आवंटित नहीं की जा सकती थी। उन्होंने 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण को भी गांधी परिवार से जुड़ी कंपनियों को कर्ज उपलब्ध कराने के आरोप से जोड़ा। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी के चालू होने से पहले ही राज्य सरकारों से बस बॉडी बनाने के लिए एडवांस भुगतान कराया गया और सरकारी कंपनियों ने बिना भुगतान सीमेंट, स्टील तथा कोयले की आपूर्ति की।

मारुति विवाद से जुड़ा एक अहम तथ्य 22 अप्रैल 1975 को लोकसभा में दिए गए तत्कालीन सरकारी जवाब में भी दर्ज है। इसमें कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड के हवाले से कहा गया था कि सोनिया गांधी कभी मारुति लिमिटेड की निदेशक नहीं रहीं। हालांकि, यह जवाब मारुति लिमिटेड के बारे में था, न कि मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बारे में. दोनों कंपनियों को एक समझना सही नहीं होगा।

दुबे ने अपनी पोस्ट के आखिर में सोनिया गांधी से मारुति परियोजना और उससे जुड़ी कंपनियों के गठन, हिस्सेदारी तथा सरकारी मदद को लेकर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि गांधी परिवार ने निजी निवेश के बिना इतना बड़ा कारोबारी उपक्रम कैसे खड़ा किया।

## कोटा से 8 साल बाद पाकिस्तान के लिए सिख जत्था रवाना, बिरला के प्रयासों से मिला वीजा

कोटा ,एजेंसी। लगभग आठ साल के लंबे इंतजार के बाद, कोटा के 12 सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष प्रयासों से इन श्रद्धालुओं को पाकिस्तान का वीजा मिल सका। शुक्रवार सुबह सभी श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर मेल से अमृतसर के लिए रवाना हुए। कोटा रेलवे स्टेशन पर महापौर अनसुइया गोस्वामी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि वर्षों से अधूरी एक भावना को भी पूरा करने का अवसर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि अंतिम बार वर्ष 2019 में कोटा से सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान गया था। इसके बाद कोरोना महामारी और सोसायटी के तत्कालीन प्रधान के निधन के कारण पाकिस्तान यात्रा के लिए आवश्यक प्रक्रिया और विभागीय औपचारिकताओं की जानकारी के अभाव में जत्थे का जाना बंद हो गया था।

# अगर पीओके भारत में वापस आता है यह भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में गेमचेंजर होगा

### चीन को लगेगा झटका, सीपीईसी ड्रैगन की परियोजना अपने आप ठप हो जाएगी



**नई दिल्ली , एजेंसी।** अगर पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके भारत में वापस आ जाता है, तो यह भारत के लिए सिर्फ एक क्षेत्रीय वापसी नहीं होगी, बल्कि कई भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में एक गेमचेंजर साबित होगी। पीओके की घरवापसी भारत के लिए सेंट्रल एशिया तक पहुंचने का एक ऐसा शॉर्टकट होगा, जो न केवल ईरान के चाबहार पोर्ट पर हमारी मौजूदा निर्भरता को खत्म कर देगा, बल्कि चीन के सबसे महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को भी करारा झटका देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भारत को सेंट्रल एशिया और यूरोप तक अपना सामान पहुंचाने के लिए हजारों किलोमीटर का लंबा और महंगा रास्ता अपनाना पड़ता है। पाकिस्तान द्वारा पीओके पर अवैध कब्जे के कारण, भारत का सेंट्रल एशिया से सीधा जमीनी संपर्क पूरी तरह कटा हुआ है। नतीजतन, भारत को इन देशों से व्यापार करने के लिए मुंबई या गुजरात के बंदरगाहों से पहले समुद्र के रास्ते ईरान के बंदर अब्बास तक जहाज भेजने पड़ते हैं, और वहां से ट्रेन और ट्रकों के जरिए ईरान और अफगानिस्तान होते हुए सामान सेंट्रल एशिया तक जाता है। यह रास्ता लंबा, महंगा होने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के कारण अक्सर बाधित होता रहता है।

अगर पीओके खासकर इसका उत्तरी हिस्सा यानी गिलगित-बाल्टिस्तान, वापस भारत के पास आ जाता है, तो यह पूरी तस्वीर बदल देगा। गिलगित-बाल्टिस्तान की सीमा सीधे अफगानिस्तान के उस पतले से हिस्से से लगती है, जिसे वाखान कॉरिडोर कहा जाता है। यह कॉरिडोर एक संकरी पट्टी है जो एक तरफ ताजिकिस्तान यानी सेंट्रल एशिया को छूती है और दूसरी तरफ चीन को। पीओके की वापसी से भारत को सीधे वाखान कॉरिडोर तक पहुंच मिल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि भारत बिना पाकिस्तान की जमीन पर पैर रखे और बिना ईरान के समुद्र का चक्कर लगाए, सीधे सड़क और रेल के जरिए ताजिकिस्तान में दाखिल हो सकेगा। वहां से पूरे सेंट्रल एशिया और आगे रूस व यूरोप तक का सड़क नेटवर्क पहले से मौजूद है।

सेंट्रल एशियाई देश प्राकृतिक गैस, तेल, यूरेनियम और लिथियम जैसे दुर्लभ खनिजों के मामले में बेहद समृद्ध हैं। सीधा जमीनी रास्ता खुलने के बाद भारत सीधे पाइपलाइन या रेल टैंकरों के जरिए सेंट्रल एशिया से तेल और गैस मंगा सकेगा, जिससे खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता कम होगी। रणनीतिक लिहाज से पीओके की घरवापसी का सबसे बड़ा झटका चीन को लगेगा। चीन ने अरबों डॉलर खर्च करके सीपीईसी बनाया है, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। जिस दिन यह इलाका वापस भारत के कंट्रोल में आएगा, चीन का यह ड्रीम प्रोजेक्ट अपने आप ठप हो जाएगा और भारत सेंट्रल एशिया में चीन की दादागीरी को सीधी चुनौती देने की स्थिति में आ जाएगा।

# हम प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं, राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं

### सीजेपी नेता सौरभ दास का दावा-बीजेपी के कुछ समर्थक भी अब पार्टी से परेशान



**नई दिल्ली , एजेंसी।** कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरभ दास ने दावा किया है कि बीजेपी के कुछ मतदाता भी अब पार्टी से परेशान हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने इस संबंध में एक किस्सा भी साझा किया। सौरभ दास फिलहाल यूपी में सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। पार्टी ने अभी तक किसी नए बड़े प्रदर्शन का ऐलान नहीं किया है। जब सौरभ दास से पूछा गया कि क्या बीजेपी के मतदाता भी सीजेपी का समर्थन कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा होते हुए देखा है। पॉडकास्ट में सौरभ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल सीजेपी को एक राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अभी एक प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि जब वे सड़क पर चलते हैं, तो कई लोग उनके पास आकर तारीफ करते हैं और फिर अंत में कहते हैं कि वे वैसे तो बीजेपी के समर्थक थे, लेकिन अब नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने एक बीजेपी समर्थक से मिलने का अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में दिवाली पार्टी में एक व्यक्ति ने उन्हें पहचाना और उनके साथ फोटो खिंचवाई। उस व्यक्ति ने कहा कि वह बीजेपी समर्थक है, लेकिन बहुत कर रहे हैं। बहुत ज्यादा कर दिया है इन लोगों ने। सौरभ दास ने कहा कि वे इन फैन सिटर्स को बीजेपी के विरोध में होते हुए देख रहे हैं।

उन्होंने बीजेपी के मतदाताओं पर भी सवाल उठाए, विशेष रूप से मॉडरेट वोटर्स पर। उन्होंने कहा कि वे उन चरमपंथी मतदाताओं की बात नहीं कर रहे हैं जो एकदम ही ब्रेन वॉश हो गए हैं। उनका मानना है कि ऐसे लोगों को सच या वास्तविकता दिखाना कभी-कभी एक निराशाजनक खेल लगता है। उन्होंने इन मतदाताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि एक्यूआई 3000 प्लस होने के बावजूद वे कहते हैं कि पटाखे फोड़िए, क्योंकि इससे एक्यूआई में कोई फर्क नहीं पड़ता। दास ने स्वीकार किया कि ऐसे लोगों के लिए क्या किया जा सकता है, उन्हें इसका जवाब नहीं पता। सौरभ दास ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वह उत्तर प्रदेश के स्कूलों का दौरा कर रहे हैं।

बता दें यूपी में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, साथ ही गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और पंजाब में भी चुनाव होंगे। सीजेपी ने हाल ही में अपनी टीम का विस्तार किया है और यूपी, महाराष्ट्र, बिहार समेत 10 जोन में टीमों का ऐलान किया है, जिसमें सबसे बड़ी टीम यूपी में उतारी गई है।



# भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा



ललित गर्ग

**जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है।**

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है।

19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए।

भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।

आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी। तकनीकी रूप से अग्रणी भी हो और मानवीय मूल्यों में भी श्रेष्ठ हो। जापान के साथ बढ़ती साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया भारत को कितना महत्व देती है, प्रश्न यह है कि भारत स्वयं को कितना सक्षम, विश्वसनीय और उत्कृष्ट बनाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का मूल संदेश है-भारत की प्रतिष्ठा केवल विदेश मंत्रालय या सरकार नहीं बनाएगी, भारत के 140 करोड़ नागरिक मिलकर बनाएंगे। उद्योगपति अपने निवेश से, वैज्ञानिक अपने अनुसंधान से, युवा अपनी प्रतिभा से, किसान अपनी उत्पादकता से और सामान्य नागरिक अपने आचरण से भारत को सशक्त करेगा। तभी 'विकसित भारत' आर्थिक लक्ष्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चरित्र बनेगा और भारत की विश्वगुरु बनने की आकांक्षा वास्तविकता में बदल सकेगी।

## संपादकीय

### अश्लीलता की लीला

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है।

चिंतन-मनन

### सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया। बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।





## सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख़्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



# टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

### आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

### कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



## रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।' अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

## धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

### तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'



## 'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

### फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही

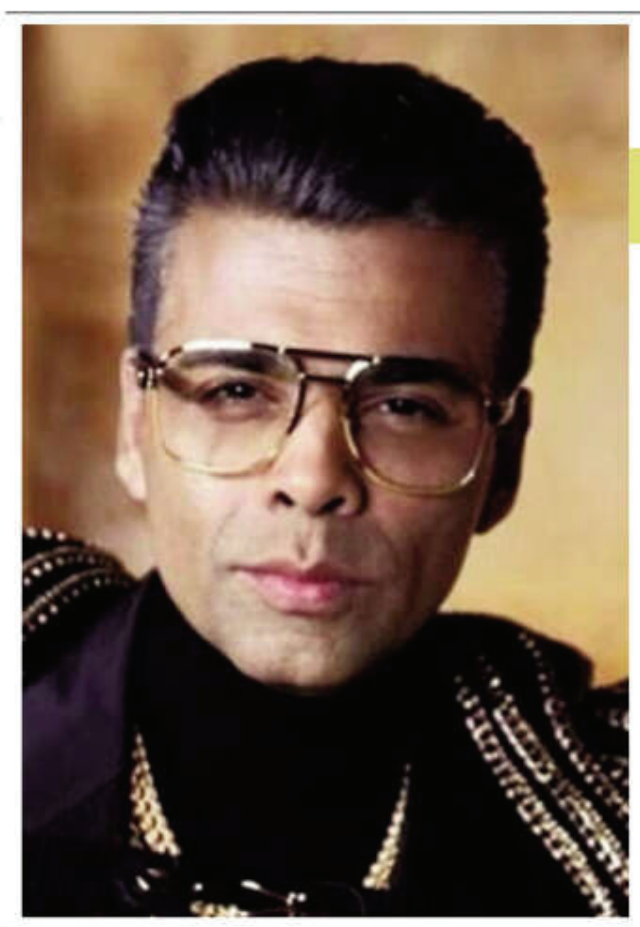

करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

#### फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

#### बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

#### सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.





# भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

**दोहा, एजेंसी।** भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहींस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली



## एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।

### तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहींस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

### भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान की जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

## मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

# सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

**कोवलून।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

# वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

**वेलिंगटन, एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

## टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी



### गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।

### राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्थह्र (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्थह्र देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।



कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके

## फुटबाल

### इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

**लंदन।** इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।



## विवाद

### पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



## दोषी

### डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.



## यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

# सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

## मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार

### बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

### सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

### घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।




### 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

### बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

### घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

**हैदराबाद के खिलाफ:** 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

**गुजरात के खिलाफ:** सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

**गोवा के खिलाफ:** उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

## फिलीपींस में टला बड़ा विमान हादसा, सुरक्षित लैंडिंग से बचे 146 लोग

मनीला ,एजेंसी। फिलीपींस में एयर न्यूगिनी के विमान ने दक्षिणी फिलीपींस के दावाओ शहर में आपातकालीन लैंडिंग की, जिससे एक बड़ा विमान हादसा टल गया। हांगकांग से पापुआ न्यू गिनी जा रहे इस विमान के इंजन में चिंगारी दिखने के बाद यह सुरक्षित लैंडिंग की गई, जिसमें सवार सभी 146 यात्री और चालक दल के सदस्य बाल-बाल बच गए। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएपी) ने बताया कि यह बोइंग 767-383 ईआर विमान था। इसमें 137 यात्री और 9 चालक दल के सदस्य सवार थे, कुल 146 लोग सवार थे। पायलटों ने दाहिने इंजन में संभावित चिंगारी या आग का संकेत मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया। विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को इमरजेंसी स्लाइड के ज़रिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने पुष्टि की कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई भी हताहत नहीं हुआ। यात्रियों को तुरंत हवाई अड्डे के टर्मिनल ले जाया गया और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। इमरजेंसी लैंडिंग के कारण दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से अन्य उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे दो घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद मुख्य रनवे को फिर से खोल दिया गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि विमान को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और इस घटना के विस्तृत कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

## सांसद ने सदन में किया शादी के लिए प्रपोज़, तालियों से गूंजने लगी संसद

सिडनी,एजेंसी। संसद की कार्यवाही आमतौर पर गंभीर बहसों और नीतियों के लिए जानी जाती है, लेकिन 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स संसद में एक ऐसा अनोखा और फिल्मी नजारा देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया। सिडनी के राइड इलाके से सांसद जॉर्डन लेन ने अपनी विदाई स्पीच के दौरान अपनी 10 साल पुरानी पार्टनर नताली हिसी को सबके सामने शादी के लिए प्रपोज़ कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना ने न सिर्फ सदन का माहौल बदल दिया, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई। जॉर्डन लेन अपनी विदाई स्पीच यानी वैलेडिक्टरी एड्रेस दे रहे थे, जब उन्होंने अचानक पब्लिक गैलरी में बैठी अपनी पार्टनर नताली हिसी के सामने सगाई की अंगूठी निकाली और सबको चौंकाते हुए पूछा, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? इस अचानक आए मोड़ ने न सिर्फ साथी सांसदों को हैरान कर दिया, बल्कि स्पीकर और पब्लिक गैलरी में बैठे लोग भी एक पल के लिए ठगे से रह गए। जॉर्डन लेन ने अपने भाषण के दौरान नताली के साथ अपने 10 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका यह रिश्ता कई मुश्किलों और हालात के बीच परवान चढ़ा है और दस साल पहले दोनों का साथ आना एक तरह से संयोग था। उन्होंने नताली की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके जीवन में हर अच्छी और सच्ची चीज की वजह हैं, और शब्दों में यह बयां कर पाना मुश्किल है कि नताली ने उनकी जिंदगी पर कितना गहरा असर डाला है। अपने भाषण के आखिर में, उन्होंने स्पीकर को संबोधित करते हुए कहा कि राइड के सदस्य के तौर पर उनका आखिरी सवाल उनके प्यार नताली के लिए है। इतना कहते ही उन्होंने सगाई की अंगूठी निकाली और सीधा शादी का प्रस्ताव रख दिया। जैसे ही जॉर्डन लेन ने यह सवाल पूछा, सदन का गंभीर माहौल पूरी तरह बदल गया और तालियों की आवाज से गूंज उठा। इसके बाद लेन नताली के पास पहुंचे और उनकी उंगली में अंगूठी पहनाई। नताली के हां कहने को लेकर कोई भ्रम न रहे, इसके लिए सांसद ने सदन को मजाकिया अंदाज में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह संसद के आधिकारिक रिकॉर्ड यानी हैंसार्ड में यह दर्ज कराना चाहते हैं कि नताली ने हां कह दिया है।

# थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने किया समझौता

### ट्रंप बोले-हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई



**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके मुताबिक बैंकॉक ने हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस खरीद का आंकड़ा और बढ़ाने की कोशिश करेगा। एशिया की चार दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि थाईलैंड ने अमेरिकी उत्पादों पर सभी शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि थाईलैंड ने गैर-शुल्क बाधाओं को भी हटा दिया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बाधाएं कौन-सी थीं और शुल्क में कटौती कब से लागू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में ट्रंप के मुताबिक 2.6 अरब डॉलर का आंकड़ा थाईलैंड की ओर से हर साल अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की शुरुआती इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है। हम इससे ज्यादा की मांग करेंगे। थाईलैंड के साथ हुआ समझौता उन दो व्यापारिक समझौतों में शामिल है, जिनकी घोषणा ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान की थी। दूसरा समझौता फिलीपींस के साथ एक रूपरेखा के तौर पर हुआ है। ट्रंप ने दोनों समझौतों को अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद बताया, हालांकि दोनों देशों से की गई उनकी मांगों में अंतर था।

ट्रंप ने बताया कि मनीला में उन्होंने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से एक जनवरी से देश की कृषि संबंधी सभी आयात जरूरतों को अमेरिकी किसानों से पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फिलीपींस अब तक ब्राजील से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदता रहा है। ट्रंप ने चीन के साथ संभावित टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में फिलीपींस को अमेरिकी मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिलीपींस और मलेशिया अमेरिकी तकनीक तथा सेवाओं का इस्तेमाल अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए करने पर सहमत हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि आसियान शिखर सम्मेलनों में अमेरिका की भागीदारी का सीधा आर्थिक महत्व है। इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़े बाजार हैं और यहां होने वाली बिक्री से अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने संघर्ष में उनके हस्तक्षेप के लिए आभार जताया और बताया कि उनकी भूमिका के संबंध में नोबेल समिति को पत्र लिखा है।

## रियाद पर दागी गईं मिसाइलें, हूती ने जवाबी कार्रवाई का किया दावा

रियाद,एजेंसी। यमन के हूती लड़ाकू समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, इस उन्होंने सऊदी गठबंधन के विशेष अभियान का जवाब बताया। इस हमले के बाद रियाद में दो धमाके सुने गए, जिसके जवाब में सऊदी वायु रक्षा प्रणाली ने राजधानी की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट किया। सऊदी ने इससे पहले अपने नागरिकों को संभावित हवाई हमले के प्रति सचेत रहने की सलाह दी थी। हूती समूह ने दावा किया है कि उसने रियाद सहित पूरे सऊदी अरब में कई ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमला गठबंधन द्वारा शुक्रवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदा और अन्य स्थानों पर किए गए हमलों के बाद हूती की जवाबी कार्रवाई की धमकी के अनुरूप था। हूती ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर होदेइदा पर हमला होता है, तब वह सऊदी शहर जेद्दा और लाल सागर के अन्य बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। समूह ने एयरलाइंस को सऊदी हवाई क्षेत्र को असुरक्षित बताकर वहां उड़ान न भरने की सलाह भी दी थी, हालांकि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया। उन्होंने रियाद के वित्तीय जिले और अल-शुकाइक स्थित एक पावर स्टेशन को भी निशाना बनाने की धमकी दी थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने बताया कि उनके बलों ने होदेइदा बंदरगाह पर उन परिचालन क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और बैलिस्टिक मिसाइलों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि यमन की सीमा के पास जिजान क्षेत्र के ऊपर दो और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया, जिनका मलबा अल-शुकाइक में गिरा। हमलों के बाद दोनों पक्षों ने अलग-अलग दावे किए हैं। हूती का दावा है कि पिछले 24 घंटों में गठबंधन के हमलों में 41 लोग मारे गए हैं। वहीं, सऊदी समर्थित सशस्त्र बलों का कहना है कि दर्जनों हवाई हमलों और बमबारी में 193 हूती लड़ाके मारे गए या घायल हुए हैं। हूती ने अल-शुकाइक पावर स्टेशन और जिजान बंदरगाह पर सटीक और सीधे हमले कर भारी नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया है। यह नवीनतम घटना महीनों से जारी संघर्ष में हिंसा की बढ़ती गति को दर्शाती है।

## अमेरिकी नागरिकों पर साइबर हमले, एफबीआई प्रमुख ने दी कड़ी चेतावनी

**वाशिंगटन,एजेंसी।** फेडरल ब्यूरो ऑफ इवेंस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसतरह के अपराधियों को कानून का सामना करना पड़ेगा। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई साइबर खतरों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर रही है और इसतरह के हमलावरों को ढूंढ निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी पोस्ट में एफबीआई प्रमुख पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का जिक्र किया। इस अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर अमेरिका की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और व्यवसायों, सरकारी प्रणालियों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और हम साइबर खतरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। हमारा संदेश साफ है- अगर आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाते हैं, तब न्याय आप तक जरूर पहुंचेगा। यह चेतावनी तब आई है जब अमेरिका में साइबर सुरक्षा और डिजिटल बुनियादी ढांचे की मजबूती को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हाल ही में, जेपी मॉर्गन चेस से जुड़े थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ, जिससे लगभग 16,000 ग्राहकों की निजी जानकारी लीक होने की आशंका है। बैंक ने गुरुवार को बताया कि उनकी जांच से पता चला है कि हमलावरों ने बाहरी वेंडर्स के पास मौजूद मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बना ली थी, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट अनुसार, एनओएन नामक एक रैनसमवेयर ग्रुप ने डेटा लीक की जिम्मेदारी ली है। खबरों के मुताबिक, इस घटना से वीजा और मास्टरकार्ड से जुड़े व्यावसायिक साझेदार भी प्रभावित हुए हैं, जिनकी ईमेल पते, फोन नंबर और खाता आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी लीक हुई है। जेपी मॉर्गन चेस ने आश्वस्त किया है कि उनकी मुख्य सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आई है और वे प्रभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क करके उन्हें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग सहित आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

# 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा होगी

### रिपोर्ट में खुलासा, अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर बदलेगी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** दुनिया में धार्मिक विविधता बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। इस रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है, जो एक बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव होगा। रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो, साल 2020 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी करीब 30 लाख थी, जो देश की कुल जनसंख्या का करीब 0.9फीसदी हिस्सा थी, लेकिन भविष्य के अनुमान बेहद दिलचस्प हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की संख्या 74 लाख से 90 लाख के आसपास पहुंच जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ, अमेरिका में हिंदुओं की कुल आबादी 2फीसदी का आंकड़ा छू लेगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से इमिग्रेशन के कारण होने का अनुमान है। भारत और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिका का रुख कर रहे हैं, जो टेक्नोलॉजी, उच्च शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अवसरों की तलाश में हैं। जानकारों के मुताबिक यही प्रवासन अमेरिका में अगले 50 सालों में धार्मिक विविधता को नया आकार देगा। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में भी हिंदू जनसंख्या में फेरबदल देखने को मिलेगा। वैश्विक स्तर पर, हिंदू आबादी में होने वाली कुल वृद्धि का करीब 88फीसदी हिस्सा अकेले भारत में केंद्रित रहेगा। अनुमान है कि भारत में हिंदुओं की संख्या 2020 के 1.11 अरब से बढ़कर 2070 तक 1.29 अरब के पार जा सकती है। भारत और नेपाल दुनिया के ऐसे दो राष्ट्र बने रहेंगे जहां हिंदू समुदाय स्पष्ट बहुमत में होगा। हालांकि, जनसंख्या वृद्धि की अलग-अलग दरों के कारण भारत की कुल आबादी में हिंदुओं का अनुपात 79फीसदी से घटकर 76फीसदी के आसपास रह सकता है।

आने वाले पांच दशकों में, अमेरिका वैश्विक मानचित्र पर पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी वाले देश के रूप में उभर सकता है। इस बदलाव से अमेरिका के अंदर धार्मिक समीकरणों पर भी असर पड़ेगा। वहां ईसाई और मुस्लिम समुदाय पहले और दूसरे सबसे बड़े धार्मिक समूह बने रहेंगे, जबकि हिंदू आबादी यहूदी समुदाय को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक वर्ग बन सकती है। जानकारों के मुताबिक यह स्थिति अमेरिकी समाज में बढ़ते बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती है और इस समुदाय की भूमिका वहां की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण में भी गहरी होगी, क्योंकि शिक्षा और आय के मामले में यह वर्ग पहले से ही अमेरिका के सबसे समृद्ध समुदायों में गिना जाता है।

## निखिल गुप्ता ने अपनी गलतियों के लिए अदालत में मांगी माफी , पन्नू हत्या की साजिश मामले में मिली 19 साल 7 महीने की सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 19 साल 7 महीने जेल की सजा सुनाई है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी जिला जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। गुप्ता को कुल 235 महीने जेल में बिताने होंगे। अदालत में निखिल ने अपने किए पर पछतावा जताया और माफी भी मांगी। गौरतलब है कि 55 वर्षीय निखिल गुप्ता ने फरवरी 2026 में अपने खिलाफ लगाए गए तीन आरोपों में दोष स्वीकार किया था। इनमें सुपारी देकर हत्या कराने, हत्या की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश से जुड़े आरोप शामिल थे। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, मामला 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की कथित योजना से जुड़ा है।

**गुप्ता को चेक गणराज्य से किया गया था गिरफ्तार**- अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गुप्ता ने जिस व्यक्ति से अपराध के लिए संपर्क किया था, उसे वह साजिश में सहयोगी समझ रहा था, लेकिन वह अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का गोपनीय सूत्र था। जांच आगे बढ़ने पर अमेरिकी एजेंसियों के अंडरकवर अधिकारियों ने भी मामले में भूमिका निभाई और कथित साजिश से जुड़े सबूत जुटाए। गुप्ता को जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जून 2024 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया।

# अमेरिका में 90 दिन के ब्लैकआउट की अफवाह, घरों में जमा हो रहा राशन-पानी

### चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में इन दिनों आम लोग पानी की बोतलें, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री, चावल, प्रोपेन गैस और जनरेटर जैसी रोजमर्रा की चीजें भारी मात्रा में खरीदकर घरों में स्टोर कर रहे हैं। इस अचानक बढ़ी खरीदारी के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा या तूफान की चेतावनी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाह है। ऑनलाइन मंचों पर दावा किया जा रहा है कि पूरे देश में अगले 90 दिनों तक बिजली और अन्य आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बंद हो सकती हैं।

हालांकि यह दावा पूरी तरह निराधार है, लेकिन लोगों में डर इतना बढ़ गया है कि वॉलमार्ट, कॉस्टको और ट्रैक्टर सप्लाई जैसे प्रमुख रिटेल स्टोरों पर आपातकालीन वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल आया है। वॉलमार्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में प्रोपेन, बोतलबंद पानी और कैंपिंग से जुड़े सामान की मांग कई गुना बढ़ गई, जबकि कॉस्टको में चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी आई है।

इस घबराहट भरी खरीदारी की शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें सितंबर के अंत में जारी अमेरिकी रक्षा विभाग के निर्देश से जुड़ी हैं। सैन्य तैयारियों से संबंधित उस निर्देश को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़कर 90 दिनों के ब्लैकआउट की चेतावनी के रूप में दिखया गया है। इसके बाद टिकटॉक पर इसरतह के कई फर्जी वीडियो वायरल होने लगे, जिसमें कहा गया कि 17 नवंबर से पूरे अमेरिका की बिजली व्यवस्था ठप्प हो जाएगी। कुछ फर्जी वीडियो में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसी घोषणा करते हुए दिखाया गया था। अमेरिकी आपदा प्रबंधन एजेंसी फेमा द्वारा 17 नवंबर को देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के लिए निर्धारित एक सामान्य परीक्षण को भी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने किसी बड़े संकट का संकेत बताकर अफवाहों से जोड़ दिया।

दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देशभर में 90 दिनों तक बिजली कटौती की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और इंटरनेट पर वायरल हो रहे ये सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। हालांकि, अफवाहों के इसी दौर में कुछ वास्तविक तकनीकी गड़बड़ियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में रुकावट, हवाई यातायात की संचार प्रणाली में दिक्कत, बैंकिंग कामकाज प्रभावित होना और एप्पल के सॉफ्टवेयर अपडेट में समस्या ने लोगों के संदेह को और गहरा कर दिया। इसके अलावा, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में चलाए जा रहे आपातकालीन जागरूकता अभियानों को भी सोशल मीडिया पर अमेरिका में होने वाले ब्लैकआउट के संकेत के तौर पर पेश किया गया, जिससे बेचैनी और बढ़ी। आरबीसी कैपिटल मार्केट्स का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया भू-राजनीतिक तनाव या साइबर हमला सामने आता है, तो लोगों की यह सावधानी घबराहट भरी अंधाधुंध खरीदारी में बदल सकती है।

# अमेरिकी चिप युद्ध- पांच देशों पर प्रतिबंध, एआई उद्योग पर मंडराया संकट

**वाशिंगटन ,एजेंसी।** अमेरिका और चीन के बीच जारी चिप युद्ध अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका ने पांच देशों को एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसका उद्देश्य विदेशी डेटा सेंटरों के माध्यम से चीन को अमेरिकी तकनीक तक पहुंचने से रोकना है। इस कदम से वैश्विक एआई उद्योग में बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस नियामक दबाव और संभावित लेखांकन मुद्दों की जांच की खबरों के बीच, चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के शेयर 20 नवंबर को 11.5 प्रतिशत तक गिर गए। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिबंधों से पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश बाधित हो सकता है और चीन की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की कोशिशों को बल मिल सकता है। यूएस ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर और ब्राजील को भेज जाने वाले एआई चिप्स के लिए निर्यात लाइसेंसिंग की आवश्यकताएं लागू की हैं। यह कार्रवाई मौजूदा निर्यात नियंत्रणों की खामियों को दूर करने के लिए की गई है, जिनके तहत चीनी कंपनियां विदेशी डेटा सेंटरों से अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच बना रही थीं। अनुमान है कि प्रतिबंध लगने के बावजूद 2024 में लगभग 2.4 लाख एनवीडिया एआई चिप्स चीन भेज गए थे, जिसमें सिंगापुर की मेगास्पीड जैसी कंपनियां अलीबाबा को जीपीयू किराए पर दे रही थीं। ये रोक इसरतह के अप्रत्यक्ष एक्सेस को रोकने के लिए हैं।

सेमीकंडक्टर निर्यात और विदेशी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका की बढ़ती निगरानी से एनवीडिया को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनी का एआई इकोसिस्टम में 61 बिलियन डालर का इक्विटी निवेश और 164.5 बिलियन डालर की लीज़ गारंटी है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग में कमी से छोटे क्लाउड प्रदाता प्रभावित होगा, जो उन्नत चिप्स पर निर्भर हैं। इसका असर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी कोरवीव पर पहले ही दिख चुका है, जिसके शेयर मूल्य में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इस बीच, चीन अमेरिकी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू सेमीकंडक्टर क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों में तेजी ला रहा है। हाईसिलिकॉन, कैम्ब्रिकॉन और लूंगसन जैसी कंपनियां चिप डिज़ाइन में, एसएमआईसी और हुआ होंग सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में, और नौरा व एएमईसी उपकरण आपूर्ति में सक्रिय हैं। अनुमान है कि 2025 तक चीन का सेमीकंडक्टर उपकरण बाजार 49 बिलियन डालर और सामग्री बाजार 16 बिलियन डालर का होगा, जो घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला के विकास की क्षमता को दर्शाता है। यह तकनीकी होड़ एआई के भविष्य और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है।

## बांग्लादेश में फिर हिंसा, हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। नराइल जिले में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी गई। घटना कालिया उपजिला के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमले दोपहर से देर रात तक जारी रहे। हमलावरों ने कई घरों में तोडफ़ोड़ की और वहां रखा फर्नीचर, कीमती सामान और दूसरी चीजें लूट लीं। पूर्व पीएम शेख हसीना देश लौटने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद से ही तनाव बढ़ गया है। बीते दिनों हुई हिंसा में पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या हुई थी। स्थानीय लोगों ने इन हमलों के लिए पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, हमले में शामिल लोगों की पहचान नहीं हुई। पूर्व अवामी लीग सांसद बीएम कबीरुल हक मुक्ति बिस्वास का पुश्तैनी घर भी जला दिया गया है।

## क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का रुस ने लिया बदला, यूक्रेन पर दागे ड्रोन व मिसाइलें

### हमले में आठ की मौत, कई पुल, बिजली-पानी सप्लाई और रेलवे को पहुंचा नुकसान

**कीव, एजेंसी।** रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का बदला ले लिया। यूक्रेन पर रुस ने 400 से ज्यादा ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। हमले में कई पुलों, बिजली-पानी की सप्लाई और रेलवे को नुकसान पहुंचा है।

बता दें इससे पहले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूस इस हमले का दर्दनाक जवाब देगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने बताया कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से 6 कीव के रहने वाले थे। बाकी 2 लोगों की मौत पश्चिमी शहर लवीव के एक रेलवे स्टेशन पर हुई। रातभर हुए हमलों में कीव में कई धमाके हुए। जान बचाने के लिए लोग मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के 3 पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे कार से काम पर जाने से बचें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले की रणनीति ऐसी बनाई थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा तबाही हो। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों में एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलते हैं, जो बड़े इलाके में तबाही मचा सकते हैं। जेलेंस्की के मुताबिक रूस ने मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। हर हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा। इससे राहत और बचाव टीमों को काम करने में मुश्किल हुई। वे आग बुझाने, मलबा हटाने और बिजली-पानी जैसी जरूरी सेवाएं बहाल करने में जुटी थीं। उन्होंने कहा कि पुतिन ने यह हमला बेहद सोच-समझकर और दिखावे के तौर पर किया। जेलेंस्की ने चीन में हुई बैठकों को कमजोर बताया और कहा कि दुनिया की व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलने की रूस

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
रविवार, 22 नवंबर, 2026
धरोहर, विकास और जनहित की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

# भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

**राजस्थानी लोक कलाओं सहित घूमर, कालबेलिया, गैर एवं चरी नृत्यों की बेजोड़ प्रस्तुतियां**

द अनकवर्ड अपडेट

**नई दिल्ली/जयपुर।** 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (ढ्ढढ्ढञ्जस्न-2026) के अंतर्गत आज प्रगति मैदान में राजस्थान दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत, लोक नृत्य एवं कलात्मक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रोहित कुमार, मुख्य आवासीय आयुक्त के मुख्य आतिथ्य में राजस्थान पवेलियन के निर्देशक श्री हर्ष शर्मा और पर्यटन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती दीपाली शर्मा, डिप्टी डायरेक्टर आईटी, श्री छत्रपाल यादव और टूरिस्ट ऑफिसर श्री मनोज शर्मा ने दीप प्रज्वलित करके किया।



**लोक नृत्यों एवं पारंपरिक संगीत से सजी सांस्कृतिक संध्या।**

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में आयोजित राजस्थान दिवस की सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत गणेश वंदना एवं चरकुला नृत्य की प्रस्तुति से हुआ, जिसे डीग के श्री मन्नू शर्मा ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात जैसलमेर के श्री हयात खां लंगा द्वारा खड़ताल वादन एवं गायन की प्रस्तुति दी।कार्यक्रम में किशनगढ़ की सुश्री अरुशिका द्वारा चरी नृत्य, अलवर के श्री जाकिर खान मेवाती द्वारा भपंग वादन तथा नई दिल्ली के श्री सुरेश व्यास द्वारा भवाई नृत्य प्रस्तुत किया।इसी क्रम में अजमेर की सुश्री रिया कंवर द्वारा घूमर नृत्य, चूरू के श्री गोपाल गिला द्वारा चंग ढप नृत्य तथा बाड़मेर के श्री गजेंद्र बानिया द्वारा गैर नृत्य की प्रस्तुति दी गई।सांस्कृतिक कार्यक्रम में जोधपुर के श्री सोहन द्वारा प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य तथा डीग के श्री विष्णु शर्मा द्वारा मयूर नृत्य एवं फूलों की नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन दौसा के श्री अशोक शर्मा द्वारा किया गया।राजस्थानी संस्कृतिक संध्या के आयोजन पर मुख्य आवासीय श्री रोहित कुमार ने कहा कि इस सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, व्यापारियों एवं आगंतुकों को राजस्थान की विविधतापूर्ण लोक संस्कृति, पारंपरिक कलाओं, संगीत एवं नृत्य शैलियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के साथ ही प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

## महिला सुरक्षा की दिशा में जयपुर पुलिस की अभिनव पहल, चार स्थानों पर शुरू हुए पिंक बूथ

**डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने किया पत्रिका गेट स्थित पिंक बूथ का उद्घाटन, तीन अन्य बूथों का हुआ वर्चुअल शुभारंभ**

**महिलाओं और बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता**




द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पत्रिका गेट, जवाहर सर्किल पर स्थापित महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) का उद्घाटन किया। वहीं, अशोक नगर टी-पॉइंट (महारानी कॉलेज के पास), गौरव टावर के पास तथा सिटी पार्क, मानसरोवर स्थित अन्य तीन पिंक बूथों का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया।

डीजीपी श्री शर्मा ने इस पहल के लिए पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल एवं जयपुर पुलिस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) की स्थापना से महिलाओं एवं बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल के साथ-साथ त्वरित सहायता भी उपलब्ध हो सकेगी।

पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में जयपुर के चार प्रमुख स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिला पुलिसकर्मी सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक दो शिफ्टों में उपस्थित रहेंगी। किसी भी महिला या बालिका को आवश्यकता होने पर तत्काल सहायता, शिकायत के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक पुलिस सहयोग सुनिश्चित हो सकेगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि महिलाओं के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुरक्षित करने के लिए पिंक बूथों पर आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी, राजकॉप सिटीजन ऐप एवं क्यूआर कोड आधारित सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि पिंक बूथ पर छेड़छाड़, पीछा करने, अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा सहित महिलाओं से जुड़ी समस्याओं में पुलिस सहायता एवं आवश्यक कार्रवाई की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यहां सुरक्षित प्रतीक्षा स्थल, प्राथमिक उपचार, सैनिटरी पैड तथा पुलिस एवं पीसीआर से तत्काल संपर्क की व्यवस्था होगी। बूथ पर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090 और आपातकालीन हेल्पलाइन 112 की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

पिंक बूथ के उद्घाटन के बाद बूथ पर तैनात पुलिस कार्मिकों से डीजीपी श्री शर्मा और कमिश्नर श्री मित्तल ने संवाद किया। इससे पहले कार्यक्रम में महिला सुरक्षा के संबंध में शॉर्ट फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में स्पेशल पुलिस कमिश्नर श्री ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक पुलिस श्री कुंवर राष्ट्रदीप, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन) श्री प्रदीप मोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) श्रीमती रंजीता शर्मा सहित आयुक्तालय के अधिकारी एवं कालिका पेट्रोलिंग यूनिट व सुरक्षा सखियों ने सहभागिता की।

## जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर शासन सचिव श्री रवि जैन ने की तकनीकी विरासत समिति की बैठक

**यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान को रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करने के दिए निर्देश**

**विरासत स्थलों की स्वच्छता, पर्यटकों के बेहतर अनुभव एवं अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई पर दिया जोर**




द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर प्रबंधन को लेकर शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग श्री रवि जैन ने शनिवार को डीएलबी के कॉन्फ्रेंस हॉल में तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली। बैठक में यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन (स्ह्रष्ट) रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।श्री जैन ने कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्ह्रष्ट रिपोर्ट में सभी आवश्यक तथ्यों एवं संरक्षण संबंधी कार्यों को समुचित रूप से शामिल किया जाए। साथ ही, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान (स्नाक्क) यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण अनिवार्य आवश्यकता है, जिसे स्ह्रष्ट रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना है। इसके लिए संबंधित अधिकारी समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।शासन सचिव ने विरासत स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक स्थलों पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद अनुभव मिलना चाहिए। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

## विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने विश्व सिंधी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में की सहभागिता

**प्रशासन, शिक्षा और राजनीति में सिंधी समाज की बढ़े सहभागिता - देवनानी,**

**सिंधी विश्वविद्यालय की स्थापना और सिंधी फिल्मों को बढ़ावा मिलने के साथ गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस परेड में सिंधी समाज की झांकी शामिल कराने के आये सुझाव,**

**आईएनएस खुकरी युद्धपोत का अवलोकन कर शहीद हुए वीर नौसैनिकों के बलिदान का किया स्मरण**

द अनकवर्ड अपडेट



**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने शनिवार को दीव में आयोजित विश्व सिंधी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री देवनानी ने सिंधी समाज की गौरवशाली ऐतिहासिक परम्परा, सांस्कृतिक वैभव, उद्यमशीलता, सामाजिक एकजुटता तथा राष्ट्र के प्रति उसके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंधी समाज ने विस्थापन और विषम परिस्थितियों के बीच भी अपने परिश्रम, पुरुषार्थ, उद्यमिता और अदम्य संकल्प के बल पर समाज एवं राष्ट्र के विकास में विशिष्ट स्थान अर्जित किया है।

### सिंधी समाज की प्रशासन शिक्षा और राजनीति में बढ़े सहभागिता–

श्री देवनानी ने कहा कि भारत में सिंधी समाज की जनसंख्या एक करोड़ से अधिक है। यह समाज आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त होने के साथ ही अपनी प्रतिभा, संगठन क्षमता और उद्यमशीलता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। देश के आर्थिक विकास, व्यापार, उद्योग और सामाजिक प्रगति में सिंधी समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। समाज की इस सामर्थ्य का व्यापक उपयोग राष्ट्र निर्माण में होना चाहिए। इसके लिए प्रशासनिक, शिक्षा, राजनीति, शासन-व्यवस्था, नीति निर्धारण तथा सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सिंधी समाज की सहभागिता और अधिक सुदृढ़ होनी आवश्यक है। समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं एवं अन्य राष्ट्रीय दायित्वों में आगे आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी योग्यता, अनुभव और दृष्टि का लाभ देश को प्राप्त हो सके।

### नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े–

स्पीकर श्री देवनानी ने कहा कि सामाजिक सेवा, साहित्य, भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में भी सिंधी समाज का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। समाज ने अपनी सांस्कृतिक पहचान और परम्पराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखा है। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी नई पीढ़ी में निहित होती है। सिंधी समाज के युवाओं को अपने पूर्वजों के संघर्ष, त्याग, पुरुषार्थ और उपलब्धियों का सम्यक् परिचय होना चाहिए। उन्हें अपने गौरवशाली इतिहास की जानकारी होनी चाहिए, जिससे वे अपनी विरासत पर गर्व की अनुभूति कर सकें और उसके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन करें। नई पीढ़ी इस विरासत से प्रेरणा लेकर शिक्षा, प्रशासन, उद्योग, व्यापार, विज्ञान, तकनीक और सार्वजनिक जीवन में अग्रणी भूमिका निभाए तथा अपनी प्रतिभा को राष्ट्र की प्रगति के लिए समर्पित करे।

उन्होंने कहा कि सिंधी भाषा और साहित्य भारत की बहुभाषिक एवं बहुसांस्कृतिक विरासत की अमूल्य निधि हैं। संतों, मनीषियों, साहित्यकारों और समाज सुधारकों की परम्परा ने सिंधी समाज को आध्यात्मिकता, सेवा, सद्भाव और मानवीय मूल्यों की समृद्ध दृष्टि प्रदान की है। इस विरासत का संरक्षण परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और युवा मंचों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।

### विस्थापन की विषम परिस्थितियों में भी सिंधी समाज ने अक्षुण्ण रखी अपनी पहचान–

देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज का इतिहास साहस, स्वाभिमान, सांस्कृतिक निष्ठा और पुनर्निर्माण की अद्भुत गाथा है। सिंध की प्राचीन सभ्यता से लेकर भारत के विभाजन के समय हुए विस्थापन तक समाज ने अनेक ऐतिहासिक परिस्थितियों का सामना किया। अपनी जन्मभूमि से दूर आने के बावजूद सिंधी समाज ने अपनी भाषा, साहित्य, धार्मिक आस्थाओं, व्यापारिक परम्पराओं और सांस्कृतिक संस्कारों को जीवंत रखा। सीमित संसाधनों से नई शुरुआत कर आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा अर्जित करना इस समाज की कर्मठता और संकल्पशक्ति का परिचायक है।

इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि सिंधी विश्वविद्यालय की स्थापना हो, सिंधी फिल्मों को बढ़ावा मिलने के साथ गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस परेड में सिंधी समाज की झांकी शामिल की जानी चाहिए। सिंधी समाज ऊना के अध्यक्ष ईश्वर जेठवानी, पूर्व एमएलसी श्री गुरमुख जगवानी, महासागर ट्रैवल्स के प्रबंध निदेशक ी कालूभाई सुखवानी, युगांडा से पीताम्बर दलवानी, अधिवक्ता लोकेश करिया, श्री सिंधी समाज ऊना के मनीष करिया तथा दुबई से श्री सतीश चंदवानी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सम्मेलन में अमेरिका, स्पेन, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग सहित लगभग 15 देशों के प्रतिनिधियों तथा हजारों की संख्या में लोगों ने सहभागिता की । विश्व सिंधी सम्मेलन का आयोजन दीव द्वीप पर श्री सिंधी समाज, ऊना द्वारा किया गया।

### देवनानी ने किया आईएनएस खुकरी युद्धपोत का अवलोकन–

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीव प्रवास के दौरान भारतीय नौसेना के ऐतिहासिक युद्धपोत आईएनएस खुकरी का भी अवलोकन किया। उन्होंने युद्धपोत की संरचना, नौसैनिक उपकरणों और उससे जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 1971 के युद्ध के दौरान आईएनएस खुकरी के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान की गौरवगाथा का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आईएनएस खुकरी भारतीय नौसेना के शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रेरणादायी प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि इस दुर्घटना में तत्कालीन कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन महेंद्र नाथ मुल्ला सहित 18 अधिकारी और 176 नौसैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि इन 194 वीर नौसैनिकों का सर्वोच्च बलिदान भारतीय सैन्य इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत अभियान में राजस्थान की प्रभावी भागीदारी

**1.45 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जागरूकता संदेश,**

**53 लाख से अधिक युवा शामिल**

**प्रदेश में 6 हजार 492 नशामुक्ति मित्र सक्रिय, 23 हजार से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में पहुंची नशे के विरूद्ध मुहिम**




द अनकवर्ड अपडेट

**जयपुर।** नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा सामाजिक सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत राजस्थान में अब तक नशामुक्ति पर 2 लाख 94 हजार 536 संकल्प लिए गए हैं। वहीं, 1 करोड़ 45 लाख 70 हजार से अधिक लोगों तक नशे के विरूद्ध जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया है। इनमें 53 लाख 66 हजार युवा तथा 35 लाख 89 हजार महिलाएं शामिल हैं। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 13 हजार 590 जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई हैं। वहीं, नशामुक्ति के संदेश को नव पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से 23 हजार 460 शैक्षणिक संस्थानों में अभियान संचालित किया गया है।

### नशा मुक्त युवा राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जावान, जागरूक और नशा मुक्त युवा ही राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजी हैं तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राज्य सरकार युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उच्च शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से 350 से अधिक महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों में नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही, राज सवेरा कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालयों में नशामुक्ति वार्ड स्थापित किए जा रहे हैं तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, राजस्थान में 100 सप्ताह के लिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन भी संचालित है।

नशा मुक्त भारत अभियान में जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नशामुक्ति मित्रों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ये मित्र समाज में जागरूकता, नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण निर्माण तथा नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में 6 हजार 492 नशामुक्ति मित्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वहीं, राज्य सरकार ने जालौर, बीकानेर, जयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, बाड़मेर, अजमेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, चुरू और नागौर सहित कुल 11 जिलों में संस्थाओं का चयन कर 25-25 बेड क्षमता के नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन प्रारंभ किया हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नशीले पदार्थों के सेवन की समस्या से निपटने के लिए किए जाने वाले प्रयास केवल नियमित या प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सीमित नहीं होने चाहिए। उन्होंने युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने और समाज की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए कहा कि व्यवहार में स्थायी बदलाव तभी आ सकता है, जब समाज खुद इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हो।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।